फिलेमोन के नाम प्रेरित पौलुस के पत्री

1यीशु मसीह खातिर कैदी बनल पौलुस, अउर हमनी के भाई
तीमुथियुस के ओर से:
हमनी के प्रिय मित्र, अउर संग में काम करे वाला
फिलेमोन, 2हमनी के बहिन अफफिया, हमनी के साथी
सैनिक अरखिप्पुस, अउर तहरा घर पर इकट्ठा होखे वाली
कलीसिया के:
3हमनी के परम पिता परमेश्वर अउर प्रभु यीशु मसीह के
ओर से, तहनी लोग के अनुग्रह अउर शांति मिले।

फिलेमोन के प्रेम अउर विश्वास

4आपन प्रार्थना में तोहार चर्चा करत, हम हमेशा, अपना
परमेश्वर के धन्यवाद देबेनी। 5काहेकि हम संत लोगन
खातिर तोहार प्रेम अउर यीशु मसीह में तोहार विश्वास के
बारे में सुनत रहेनी। 6हमार प्रार्थना बा, कि तोहार विश्वास से
पैदा उदार सहभागिता, लोगन के राह देखावे। जवना से कि,
उनका ओह सब निमन चीज के जानकारी हो जाउ, जवन
मसीह के उद्देश्य के आगे बढ़ावे में, हमनी के बीच हो रहल
बाड़ी सऽ। 7हे भाई, तहरा कोशिश से संत लोगन के मन
हरियर हो गइल बा, एह से तहरा प्रेम से, हमरा बड़ा आनन्द
मिलल बा।

उनेसिमुस के भाई मंजूर करऽ

8एह से कि मसीह में हमरा, तहरा कर्त्तव्य खातिर आदेश
देबे के अधिकार बा 9बाकि प्रेम के आधार पर, हम तहरा से
विनती कइल ही ठीक समुझत बानी। हम पौलुस, जे अब
बूढ़ा हो चलल बानी, अउर मसीह यीशु खातिर, अब कैदी भी
बनल बानी, 10ओह उनेसिमुस के बारे में विनती कर रहल
बानी, जे तब हमार धर्मपुत्र बनल रहे, जब हम जेल में रहनी।
11एगो समय रहे, जब उ तहरा कवनो काम के ना रहलन,
बाकी अब ना खाली तहरे खातिर, बल्कि हमरा खातिर भी
उ बहुत काम के बाड़न।
12हम उनका फेरु तहरा पास भेज रहल बानी (बल्कि
हमरा तऽ कहे के चाहीं, कि अपना हृदय के ही तहरा पास
भेज रहल बानी।) 13हम उनका के, एइजा अपना पास में ही
रखल चाहत रहनी, जवना से कि सुसमाचार खातिर, हम
कैदी के उ तहरा ओर से सेवा कर सकसु। 14बाकी तोहार
आदेश के बिना हम कुछउ कइल नइखी चाहत, कि तहार
कवनो बढ़िया काम कवनो मजबूरी में ना, बल्कि खुद आपन
इच्छा से ही होखे।
15हो सकत बा, कि उनका के, थोड़ा समय खातिर, तहरा
से दूर करे के कारण इहे होखे, कि तू , उनका के फेरु,
हमेशा खातिर पा लऽ। 16सेवक के रूप में ना, बल्कि सेवक
से ज्यादा एगो प्रिय भाई के रूप में। हम उनका से बहुत प्रेम
करेनी, बाकी तू उनका से अउर ज्यादा प्रेम करबऽ। खाली
एगो मनुष्य के रूप में ही ना, बल्कि प्रभु में स्थित एगो बन्धु
के रूप में भी।
17एह से अगर तू हमरा के, आपन साझिदार के रूप में
समुझत बाड़ऽ, तऽ उनको के हमरा जइसन ही समुझऽ।
18अउर अगर उ तहार कुछ बुरा कइले बाड़न, चाहे उनका
तहरा के कुछ देबे के बा, तऽ ओकरा के हमरा खाता में डाल
दऽ। 19हम पौलुस खुद आपन दस्तखत से ई लिख रहल
बानी। ओकर भरपायी तहरा के हम करब। (हमरा ई बतावे
के जरूरत नइखे, कि तू तऽ अपने जीवन तक खातिर, हमार
कर्जदार बाड़ऽ।) 20हँ भाई, हमरा तहरा से यीशु मसीह में
ई फायदा मिले, कि हमरा हृदय के चैन मिले। 21तहरा पर
विश्वास करत, ई चिट्ठी हम तहरा के लिख रहल बानी।
हम जानत बानी कि, तहरा से हम जतना कह रहल बानी, तू
ओकरा से कहीं ज्यादा करबऽ।
22हमरा खातिर रहे के इंतजाम करत रहिहऽ, काहेंकि
हमरा विश्वास बा कि तहरा प्रार्थना सब के नतीजा के रूप
में, हमरा के, सुरक्षित रूप से तहरा के संउप दिहल जाई।

पत्र के अंत

23यीशु मसीह में स्थित, हमार साथी कैदी इपफ्रास के,
तहरा के नमस्कार। 24हमार साथी कार्यकर्ता, मरकुस,
अरिस्तर्खुस, देमास अउर लूका के तहरा के नमस्कार पहुँचे।
25तहनी सब लोग पर, प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह बनल
रहे।